अनुक्रम

भूमिका *11*

नाटक और रंगमंच

एकांकी 17
रेडियो-नाटक 26
हिन्दी रंगमंच 31
नाटककार और रंगमंच 37
रंगमंच और शब्द 42
शब्द और ध्वनि 51
शुद्ध शब्द की खोज 55
नाटक, रंगमंच और साहित्य 58
Looking Around as a Playwright 60
Theatre Without Walls 66
Changing Role of Words in Theatre (Interview) 69
On Not Writing A Play 77
Words and the Space Beyond 79
A Note on the School Repertory Company 85
Questionnaire 89

कथा प्रसंग

हिन्दी कथा-साहित्य : नवीन प्रवृत्तियाँ : एक 93
हिन्दी कथा-साहित्य : नवीन प्रवृत्तियाँ : दो 101
आज की कहानी के प्रेरणास्रोत 105
नश्वर ब्रह्म 110
कहानी क्यों लिखता हूँ? 115
समकालीन हिन्दी कहानी 119

परिवेश

अपना-आप और कुछ परिचित चेहरे

एक एक्स्क्लेमेशन मार्क उर्फ़... 131
कोई ग़लतफ़हमी नहीं 140

एक उनींदा शहर

दिल्ली : रात की बाँहों में 145

यात्रा-परक

यात्रा का रोमांस 157
गुलमर्ग की खिड़की से एक रात 166
एक हाथ : कावेरी के किनारे 168
मकबरे और आज 172

तिरछे कोण

विज्ञापन युग 181
अस्वस्थ और अप्रसन्न 186
अनात्म कथ्य 192

दायरे

यथार्थ की परिधियाँ 197
अन्दर का घाव 200

सम्मेलन, प्रश्न, परिसंवाद

मिलते हैं, बिखर जाते हैं... 205
कमरे...कमरों से बाहर 214
अकेलापन, विकासोन्मुखता और नया आदमी 222
पुस्तकों को चाहिए... 226

रचना-दृष्टि

अनुभूति से अभिव्यक्ति तक 231
उपन्यास और यथार्थ-चित्रण 240
साहित्यकार की समस्याएँ 244
आज का वास्तविक रचना-संकट 249

समकालीन बिन्दु

सन्दर्भों की भाषा 253
समय और यथार्थ के शिल्प में 256

साक्षात्कार

Mohan Rakesh Interviewd by Carlo Coppola 265

बकलम खुद

बकलम खुद (1960-63)

युग-प्रवर्तन की चिन्ता 297
प्रेम-तिकोन : अन्दर की उफनती हुई दुनिया : सतह के बुलबुले 306
बिन्दुहीन आलोचना 312
आसपास के लोग 318
उदास धड़कनें 324
हिन्दी नैतिकता 329
खाकसार की मेज़ : नई-नई कहानी 334
कहानी : स्थावर और जंगम 339
चबूतरे से उतरकर 343
सवालों की नोक पर 347
रोएँ-रेशे और शब्दकोश 352
वाया शॉर्ट कट 357
सामाजिक-असामाजिक 362

नई निगाहों के सवाल (1964)

इमारतें टूटने पर 367
माध्यम की खोज 374
बातों के तिलिस्म में 381
बदलता बलाघात 388

...कुछ और अस्वीकार (1967)

आज की यह संवादहीनता 393
मार्क्सवादी दर्शन और मार्जुआना की भाषा : आज के सन्दर्भ में विद्रोह का सेफ़ कोर्स 401
समय से कटी हुई समकालीनता 407

पुनश्चः

चंद सतरें और... (1962-63)

नया लेखक बनाम सम्पादक 415
हिन्दी बनाम हिन्दी से इतर भाषाओं का कथा लेखन 417

अंग्रेज़ी में भारत 419
जवान मौत 421
प्रतियोगिता : मूल्यांकन-प्रक्रिया 424

परिशिष्ट

एक महत्त्वपूर्ण भेंट (डॉ. कार्लो कपोला और मोहन राकेश) 429
The Nehru Fellowship Project (The Dramatic Word) 463
The Dramatic Word : Chapter Outline 470